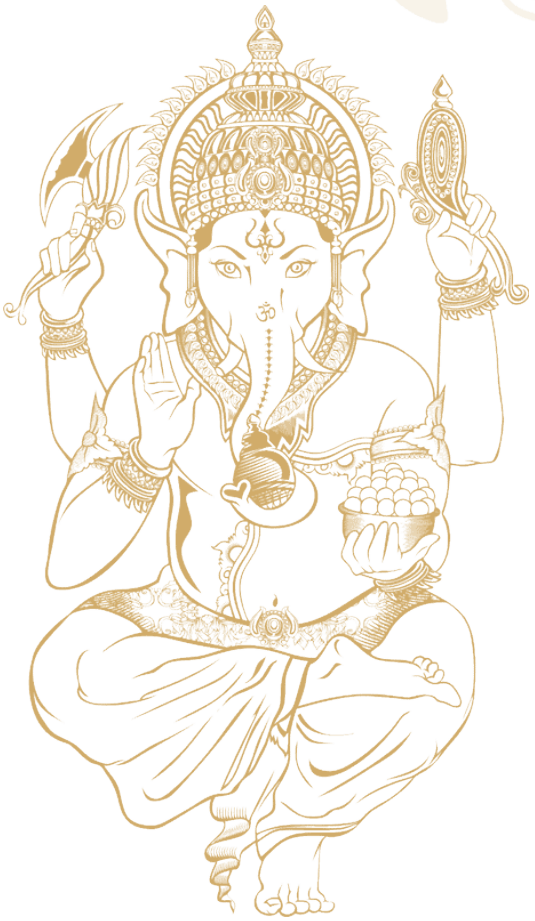

Aditi

18 May 2022

03:16 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530107

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18/05/2022**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:16:00 घंटे**
इष्ट	24:48:06 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:07:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:34 घंटे
साम्पातिक काल	06:51:31 घंटे
सूर्योदय	05:20:45 घंटे
सूर्यास्त	18:49:54 घंटे
दिनमान	13:29:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:17:00 वृष
लग्न के अंश	17:22:00 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	17:22:00	322:30:06	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	---
सूर्य			वृष	03:17:00	00:57:47	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	04:25:39	14:56:01	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मीन	00:55:41	00:44:57	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृष	08:25:47	00:30:34	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मीन	07:14:27	00:11:00	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मीन	23:55:57	01:09:37	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			कुंभ	00:50:11	00:01:43	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	28:20:58	00:00:27	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	28:20:58	00:00:27	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			मेष	21:22:57	00:03:25	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			मीन	00:49:50	00:01:17	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		मक	04:21:08	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मिथु	17:40:51	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:56

लग्न-चलित

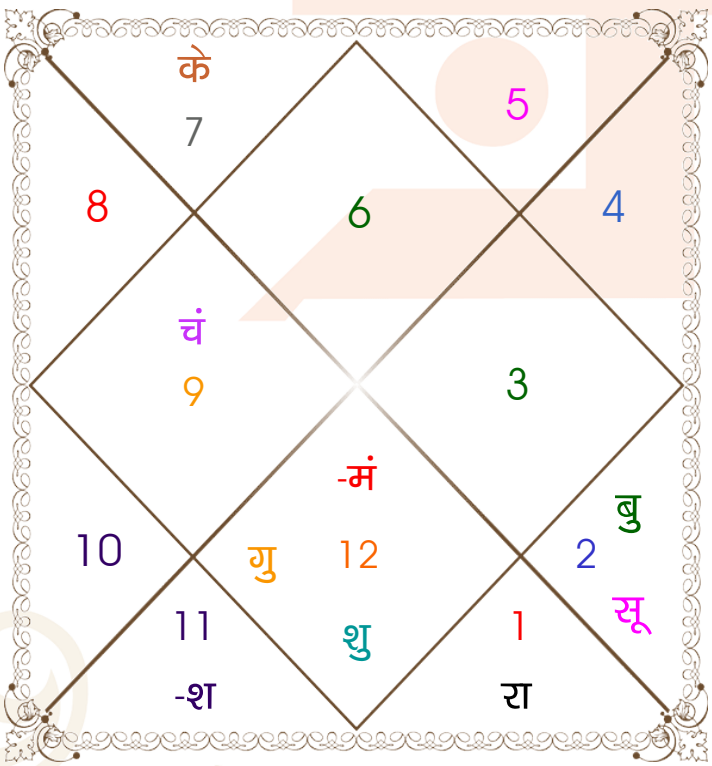

चन्द्र कुंडली

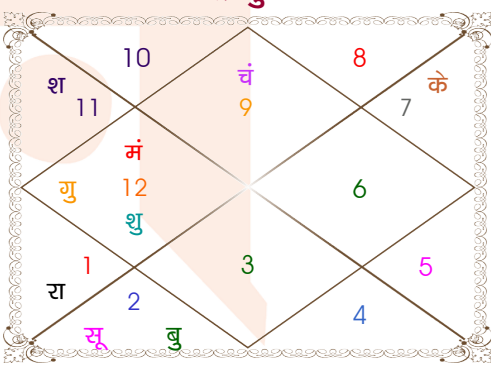

नवमांश कुंडली

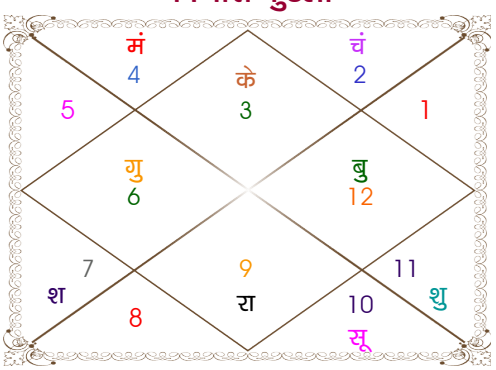

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 8 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/05/2022		20/01/2027		20/01/2047		19/01/2053		20/01/2063	
20/01/2027		20/01/2047		19/01/2053		20/01/2063		20/01/2070	
	00/00/0000	शुक्र	21/05/2030	सूर्य	09/05/2047	चंद्र	20/11/2053	मंगल	18/06/2063
	00/00/0000	सूर्य	22/05/2031	चंद्र	08/11/2047	मंगल	21/06/2054	राहु	06/07/2064
	18/05/2022	चंद्र	19/01/2033	मंगल	15/03/2048	राहु	21/12/2055	गुरु	11/06/2065
चंद्र	24/07/2022	मंगल	22/03/2034	राहु	07/02/2049	गुरु	21/04/2057	शनि	21/07/2066
मंगल	20/12/2022	राहु	21/03/2037	गुरु	26/11/2049	शनि	20/11/2058	बुध	18/07/2067
राहु	08/01/2024	गुरु	20/11/2039	शनि	08/11/2050	बुध	20/04/2060	केतु	15/12/2067
गुरु	14/12/2024	शनि	20/01/2043	बुध	14/09/2051	केतु	20/11/2060	शुक्र	13/02/2069
शनि	23/01/2026	बुध	20/11/2045	केतु	20/01/2052	शुक्र	21/07/2062	सूर्य	21/06/2069
बुध	20/01/2027	केतु	20/01/2047	शुक्र	19/01/2053	सूर्य	20/01/2063	चंद्र	20/01/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/01/2070		20/01/2088		21/01/2104		21/01/2123		21/01/2140	
20/01/2088		21/01/2104		21/01/2123		21/01/2140		00/00/0000	
राहु	02/10/2072	गुरु	09/03/2090	शनि	24/01/2107	बुध	19/06/2125	केतु	18/06/2140
गुरु	25/02/2075	शनि	20/09/2092	बुध	03/10/2109	केतु	16/06/2126	शुक्र	18/08/2141
शनि	01/01/2078	बुध	27/12/2094	केतु	12/11/2110	शुक्र	16/04/2129	सूर्य	24/12/2141
बुध	21/07/2080	केतु	02/12/2095	शुक्र	12/01/2114	सूर्य	20/02/2130	चंद्र	19/05/2142
केतु	08/08/2081	शुक्र	02/08/2098	सूर्य	24/12/2114	चंद्र	23/07/2131		00/00/0000
शुक्र	08/08/2084	सूर्य	22/05/2099	चंद्र	25/07/2116	मंगल	19/07/2132		00/00/0000
सूर्य	03/07/2085	चंद्र	21/09/2100	मंगल	03/09/2117	राहु	05/02/2135		00/00/0000
चंद्र	02/01/2087	मंगल	28/08/2101	राहु	10/07/2120	गुरु	13/05/2137		00/00/0000
मंगल	20/01/2088	राहु	21/01/2104	गुरु	21/01/2123	शनि	21/01/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 8 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के तृतीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी साथ-साथ उदित था। आपके जन्मकाल के समन्वित ग्रह प्रभाव से यह परिलक्षित हो रहा है कि आप अध्ययनप्रिय हैं तथा आप सृजनात्मक लक्ष्य के प्रति सतत प्रयत्नशील तथा समर्पित महिला हैं। आपको इस प्रवृति को लाभजनक स्थिति में परिवर्तित करना चाहिए।

आप बुद्धिजीवी महिला है। परन्तु आपका चारित्रिक बल का महत्त्व प्रदर्शन आपके लिए व्यवधान कारक हो सकता है। आपकी सर्वत्र आलोचना होती है तथा आप जन्म सामन्य के दृष्टिकोण से पथभ्रष्ट होने के नाते आप इनकी श्रेणी में नहीं आती परिणाम स्वरूप अच्छी जामात के लोग आपको अपना प्रतिपक्षी (विरोधी) समझते है। आपके कुछ मित्रगण एवं आपके नौकर अधिक विरुद्ध एक जुट होकर आपको जन सामन्य की नजरों से पतित प्रमाणित करने का प्रयास कर सकते हैं। अतः आपको धैर्यपूर्वक एवं शान्त चित्त से अन्य के साथ अपना उत्तम व्यवहार बनाना होगा।

आपमें अन्य दुर्बलता यह है कि आप मध्यपान करने एवं संभोगात्मक प्रवृति से आकर्षित एवं वशीभूत हैं। आपको उत्तम स्वस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए इन आदतों को नियंत्रित करना होगा तथा सुव्यवस्थित पारिवारिक वातावरण को सुनिश्चित करना होगा। क्योंकि मुख्यतः आपकों इस बात का गर्व होगा कि आपके पति बुद्धिमान हैं तथा आपको अच्छी सन्तान का संयोग प्राप्त है।

आपको अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु अनावश्यक सम्बन्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको उत्तम जीवन हेतु अच्छा वातावरण एवं कार्य कलाप अपनाना चाहिए। परन्तु वर्त्तमान काल आपको उदर विकार एवं मूर्च्छा जनित रोगों के प्रति अति संवेदनशील रहना होगा। आपको कतिपय संभावित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रवृति रखनी चाहिए। यथा टायफायड, पेचीश एवं बेहोशी मूर्छा जनित आदि रोग आपको स्तम्भित कर सकता है। आपको सतर्कता पूर्वक अतिरिक्त भोजनादि में शाकाहार ग्रहण करना चाहिए। यह आहार-विहार आपके लिए लाभप्रद सिद्ध है।

आप निश्चय ही धनी होकर सुखमय जीवन यापन कर सकती हों परन्तु आपको प्रयत्नशील रहना होगा। आपको नियमितता बरतनी होगी। सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। प्रायः आपको अस्थिर बुद्धि से अपनी ढुलमुल नीति के अनुसार कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए। आपको सर्वप्रथम गम्भीरता पूर्वक अपनी योजना एवं कार्यकलाप के प्रति विचार कर एकाग्रता पूर्वक निर्णयानुसार कार्यारम्भ करें।

आपको शीघ्रतापूर्वक धन उपार्जन हेतु अतिरिक्त शक्ति सम्पन्न होना होगा। आप अनुकूल व्यवसायिक कार्यकलाप में धन का विनियोग कर सकती हैं। बहुधा आप ठोस व्यवसाय अपना सकती हैं। आप अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति उपेक्षात्मक आचरण का निर्माण करें।

आपको अपनी लागत की वापसी हेतु किसी प्रकार की उद्घोषणा करने की

आवश्यकता है।

आप भ्रमणशील प्रवृति की प्राणी है तथा बहुधा आप अपने निवास को परिवर्तित करती रहती हैं। कुछ भी हो आप अपनी परिवर्त्तनशील प्रवृति को अटल करें। यह आपके स्वभाव के लिए एक चाभी प्रमाणित होगा। आप अपने अस्थिर रहन-सहन की आदतों को अपूर्ण नहीं रखें अन्यथा यह आपको अति संचालित करता रहेगा। यदि आप अपने जीवन स्तर को उच्चता प्रदान करना चाहती हैं तो आप इस प्रकार की विशेषता का समावेश अपने जीवन में करे।

आपके लिए अंको में सर्वोत्तम अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। जीवन के लिए स्वाभाविक है। अंक 1 एवं 8 अंक त्याज्यनीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप सप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार, एवं शनिवार के दिनों को छोड़कर शेष सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार का दिन आपके मुख्य एवं महत्वपूर्ण कार्यों के सम्पादन हेतु पूर्ण अनुकूल हैं।